हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 10 अंक : 301 | देहरादून, बुधवार, 01 जून, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

वॉलनट और कीवी के उत्पादन के लिए किसानों को करें प्रोत्साहित : मुख्य सचिव 3

चंपावत उपचुनाव के लिए वोटिंग में 5 बजे तक 61% मतदान, अब नज़र नतीजों पर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

खत्म हुआ चम्पावत में मतदान , ईवीएम में कैद हो गयी मुख्यमंत्री की किस्मत का फरमान .... जी हाँ चंपावत विधानसभा सीट उपचुनाव के लिए मतदान संपन्न हो गया है. शाम 5 बजे 61 फीसदी मतदान हुआ. चंपावत उपचुनाव में भाजपा से सीएम पुष्कर सिंह धामी और कांग्रेस से निर्मला गहतोड़ के बीच मुकाबला है. इस सीट पर सीएम का चुनाव जीतना बेहद जरूरी है. चंपावत उपचुनाव में भाजपा से सीएम पुष्कर सिंह धामी और कांग्रेस से निर्मला गहतोड़ी के बीच मुकाबला है. वहीं, उपचुनाव में मतदान को लेकर युवाओं में खासा उत्साह देखा गया. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा के मंदिर में पूजा की. धामी ने ईश्वर से चुनाव में जीत का आशीर्वाद मांगा...

सीएम धामी मतदाताओं का उत्साह बढ़ाने के लिए खुद चंपावत गए. बनबसा के मतदान केंद्रों पर सीएम ने मतदाताओं से मुलाकात की. इस दौरान सीएम को सामने देख युवा मतदाताओं ने उनके साथ सेल्फी भी खिंचवाई. हालांकि सीएम धामी ने मतदाताओं का हौसला बढ़ाया, लेकिन वो खुद वोट नहीं डाल सके. दरअसल सीएम धामी खटीमा में रहते हैं. खटीमा की मतदाता सूची में ही उनका नाम है. इसलिए सीएम धामी चंपावत में वोट नहीं डाल पाए.

चंपावत विधानसभा सीट उपचुनाव के लिए वोटिंग सुबह 7 बजे से शुरू हुई और शाम 5 बजे तक चली। आपको बता दें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चंपावत से बीजेपी के उम्मीदवार हैं. निर्मला गहतोड़ी कांग्रेस की प्रत्याशी हैं. वैसे चंपावत में कुल चार प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं. बीजेपी से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कांग्रेस से निर्मला गहतोड़ी, समाजवादी पार्टी से मनोज कुमार भट्ट और निर्दलीय हिमांशु गड़कोटी चुनाव लड़ रहे हैं. चंपावत विधानसभा सीट पर 96,213 मतदाता हैं. इनमें 50,171 पुरुष और 46,042 महिला मतदाता हैं...

उत्तराखंड सरकार ने अपने ढाई लाख कार्मिकों-पेंशनर को दिया तोहफा, महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत की वृद्धि के दिए आदेश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। प्रदेश के करीब ढाई लाख कर्मचारियों और पेंशनर को बढ़ती महंगाई से सरकार ने राहत दी है। सरकार ने महंगाई भत्ते में वृद्धि के आदेश मंगलवार को जारी किए।

सातवां वेतनमान ले रहे कार्मिकों को तीन प्रतिशत की वृद्धि के बाद अब 34 प्रतिशत महंगाई भत्ता प्रतिमाह मिलेगा। बढ़े हुए महंगाई भत्ते का नियमित भुगतान एक मई यानी जून माह में देय वेतन के साथ होगा। एक जनवरी, 2022 से लेकर 30 अप्रैल तक पुनरीक्षित भत्ते के एरियर का भुगतान नकद किया जाएगा।

चम्पावत उपचुनाव में मंगलवार को मतदान संपन्न होते ही सरकार ने महंगाई भत्ते को लेकर इंतजार खत्म कर दिया। जून माह में मिलने वाले मई के वेतन के साथ कार्मिकों और पेंशनर को बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता मिलेगा।

वित्त अपर सचिव गंगा प्रसाद की ओर से सातवें, छठे और पांचवें वेतनमान को ले रहे कार्मिकों और पेंशनर के लिए बढ़ाए गए महंगाई भत्ते के अलग-अलग आदेश जारी किए गए।

सातवां वेतनमान ले रहे राज्य कर्मचारियों, सहायताप्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं, शहरी स्थानीय निकायों, कार्य प्रभारित कर्मचारियों और यूजीसी वेतनमान में कार्यरत शिक्षकों व पदधारकों और पेंशनर को एक जनवरी, 2022 से तीन प्रतिशत बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता मिलेगा।

छठा वेतनमान के अंतर्गत कार्मिकों व पेंशनरों के महंगाई भत्ते में सात प्रतिशत की वृद्धि की गई है। उन्हें अब 196 प्रतिशत के स्थान पर 203 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा। इसी तरह पांचवां वेतनमान लेने वाले कार्मिकों और सेवानिवृत्त कार्मिकों के महंगाई भत्ते में 13 प्रतिशत की बढोतरी की गई है।

उन्हें 368 प्रतिशत के स्थान पर अब 381 प्रतिशत प्रतिमाह महंगाई भत्ता मिलेगा। कार्मिकों को एक जनवरी, 2022 से 30 अप्रैल तक बढ़ा महंगाई भत्ता नकद मिलेगा। एक मई से महंगाई भत्ते का भुगतान नियमित रूप से वेतन के साथ होगा। महंगाई भत्ता बढ़ने से कार्मिकों के वेतन में 1200 रुपये से लेकर पांच हजार रुपये तक वृद्धि होगी।

उत्तराखंड में आज दस जिलों में नहीं आया कोरोना का कोई नया मामला

न्यूज वायरस नेटवर्क

देहरादून। प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 16 नए मामले मिले हैं। जबकि पांच मरीज स्वस्थ हुए हैं। कोरोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। वहीं, संक्रमण दर एक प्रतिशत रही। राज्य में फिलवक्त कोरोना के 64 सक्रिय मामले हैं। देहरादून में सबसे अधिक 44 सक्रिय मामले हैं। पांच जिलों अल्मोड़ा, चंपावत, पिथौरागढ़, टिहरी व ऊधमङ्क्षसहनगर में कोरोना का कोई सक्रिय मामला नहीं है।

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, निजी व सरकारी लैब से 1594 सैंपल की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई है। जिनमें 1578 सैंपल की रिपोर्ट निगेटिव आई है। देहरादून में सबसे अधिक 13 लोग संक्रमित मिले हैं। नैनीताल में दो और चमोली में एक व्यक्ति संक्रमित मिला है। दस जिलों अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत, हरिद्वार, पौड़ी, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी, उत्तरकाशी व ऊधम सिंह नगर में कोरोना का कोई नया मामला नहीं मिला है।

इधर, विभिन्न जिलों से 1681 सैंपल कोरोना जांच को लैब भेजे गए। बता दें, इस साल प्रदेश में कोरोना के 92809 मामले मिले हैं। इनमें से 89206 (96.12 प्रतिशत) लोग कोरोना को

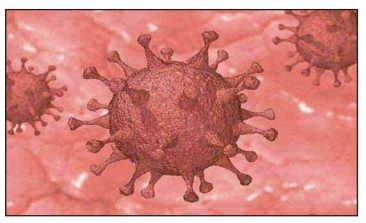

मात दे चुके हैं। कोरोना से इस साल 275 मरीजों की मौत भी हुई है।

रोटरी क्लब मसूरी एवं आरएन भार्गव पुरातन छात्र परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 10वें कुलदीप राज साहनी स्मृति रक्तदान शिविर में 251 लोग ने रक्तदान किया। कुलड़ी स्थित राधाकृष्ण मंदिर सभागार में आयोजित शिविर का उद्घाटन पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने किया।

रक्तदान शिविर के संयोजक संदीप साहनी ने कहा कि दस वर्षों से लगातार यह रक्तदान शिविर चलाया जा रहा है, जिसमें हर वर्ष लगभग दो सौ लोग रक्तदान करते हैं। इस मौके पर रोटरी अध्यक्ष अर्जुन कैंतुरा, पालिकाध्यक्ष अनुज गुप्ता, अनुज तायल, श्री महंत इंदिरेश अस्पताल ब्लड बैंक के कोआर्डिनेटर अमित चांदना, मोहित चावला आदि मौजूद रहे।

वन्य जीव प्रेम : दुल्हन ने पहनाई जिंदा सांप की माला, दूल्हे ने डाला गले में अजगर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सांप का नाम सुनकर ही लोगों के अंदर डर बैठ जाता है। सांप ने अगर किसी इंसान को डस लिया तो समझो उसका खेल खत्म, लेकिन सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसी तस्वीरें वायरल हो रही है, जो आपको भी हैरान कर देगी। आपने शादी से जुड़ी कई अजीबोगरीब रस्में देखी होंगी, लेकिन सांप से जुड़ी शादी की यह रस्म जितनी खतरनाक है, उतनी ही खौफनाक।

यहां फूलों की जगह पहनाई सांप की जयमाला शादी में आपने फूलों से लेकर नोटों की बनी जयमाला दूल्हा और दुल्हन के गले में देखी होगी, लेकिन सोशल मीडिया पर एक ऐसी वीडियो सामने आई है, जिसमें दूल्हा और दुल्हन अपनी शादी के दौरान सांपों की जयमाला का एक दूसरे को पहनाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इंटरनेट पर यह वीडियो खूब छाया हुआ है, जो भी इस वीडियो को देखेगा उसके रोंगटे खड़े हो जाएंगे।

दूल्हे के गले में सांप, दुल्हन के गले में अजगर सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दूल्हा और दुल्हन जयमाला के लिए एक जगह खड़े हुए हैं। उनके पीछे लोगों की काफी भीड़ है। सफेद कपड़ों में दूल्हा-दुल्हन एक-दूसरे को खतरनाक सांप की माला की तरह से गहले में पहनाते हैं। वीडियो को पूरा देखने पर आपको पता लगेगा जहां दुल्हन ने दूल्हे के गले में एक सांप को पहनाया तो दूल्हे ने दुल्हन के गले में एक बड़ा सा अजगर पहनाया।

जानिए कहां की है घटना?

इस खतरनाक वीडियो को देखने के बाद यूजर्स की भी सिट्टी-पिट्टी गुम होती नजर आ रही है। वीडियो को जिसने भी देखा हो दंग रह गया। जानकारी के मुताबिक यह विचित्र रस्म महाराष्ट्र के बीड जिले के एक सुदूर गांव की है, जहां दूल्हा-दुल्हन ने पारंपरिक फूलों की माला के बजाय घातक सांप की माला को एक दूसरे के लिए चुना। वीडियो में दिखाया गया है कि सफेद पोशाक पहने जोड़े सांपों को एक-दूसरे के गले में लपेटते हैं और उनमें से किसी को भी हल्का सा भी डरा महसूस नहीं हो रहा।

क्या है ऐसा करने का मकसद?

दुल्हन पहले दूल्हे के गले में एक बड़ा सा सांप डालती हैं, जिसके बाद यह जोड़ा तस्वीरें खिंचवाते हैं। फिर जब दूल्हे की बारी आती है, तो वह एक बड़ा अजगर लाता है और उसे दुल्हन के गले में डाल देता है। शादी में शामिल होने के लिए वहां भारी लोगों की भीड़ मौजूद है। बताया जा रहा है कि दोनों लोग स्थानीय वन्यजीव विभाग के कर्मचारी हैं, जो महाराष्ट्र के बीड जिले में रहते हैं। बताया जा रहा है कि दोनों लोग सर्प प्रेमी हैं, जो ऐसा करके सांपों को बचाने का संदेश दे रहे हैं।

1 जून से बैंकिंग और गोल्ड हॉलमार्किंग सहित होंगे ये 6 बड़े बदलाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

1 जून से देशभर में कई बदलाव होने वाले हैं। इनका सीधा असर आपकी जेब और जिंदगी पर पड़ेगा। इसलिए जरूरी है कि नियमों की जानकारी पहले ही अपने पास रखें। न्यूज़ वायरस आपको बता रहा है कि 1 जून से SBI से होम लोन लेना महंगा हो जाएगा। हम आपको कुछ बड़े बदलावों के बारे में बता रहे हैं जिनका सीधा असर आप पर पड़ेगा।

महंगा हो जाएगा गाड़ियों का थर्ड पार्टी इंश्योरेंस : 1 जून से दोपहिया और चार पहिया वाहनों के साथ अन्य बड़े वाहनों का थर्ड पार्टी बीमा महंगा होने वाला है। यानी, अब आपको थर्ड पार्टी बीमा के लिए ज्यादा प्रीमियम देना होगा। दोपहिया वाहनों के मामले में 150 सीसी से 350 cc तक के वाहनों के लिए 1,366 रुपए बतौर प्रीमियम देना होना, जबकि 350 cc से अधिक के वाहनों के लिए प्रीमियम 2,804 रुपए होगा। पूरी खबर पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

SBI से होम लोन लेना हो जाएगा महंगा

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) ने अपने होम लोन एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट (EBLR) को 40 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर 7.05% कर दिया है, जबकि RLLR 6.65% प्लस क्रेडिट जोखिम प्रीमियम (CRP) होगा। बढ़ी हुई ब्याज दरें 1 जून से प्रभावी होंगी। इससे होम लोन की ब्याज दरों में इजाफा होगा। पहले EBLR 6.65% थी, जबकि रेपो-लिंक्ड लेंडिंग रेट (RLLR) 6.25% थी।

गोल्ड हॉलमार्किंग का दूसरा चरण

सोने की हॉलमार्किंग का दूसरा चरण शुरू होगा। अब 256 पुराने जिलों के अलावा 32 नए जिलों में भी हॉलमार्किंग सेंटर्स खोले जाएंगे। अब इन सभी 288 जिलों में सोने के गहने की हॉलमार्किंग अनिवार्य हो जाएगी। इन जिलों में अब 14, 18, 20, 22, 23 और 24 कैरेट के गहने ही बेचे जा सकेंगे। ये भी हॉलमार्किंग के बाद ही बेच पाएंगे।

एक्सिस बैंक सेविंग्स अकाउंट के नियमों में बदलाव

एक्सिस बैंक ने सेविंग्स अकाउंट पर लगने वाले सर्विस चार्ज को बढ़ाने का फैसला किया है। 1 जून से सेविंग्स अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस रखने की सीमा में बढ़ोतरी की गई है। इसके तहत सेमी अर्बन और ग्रामीण इलाकों के ग्राहकों को एक्सिस बैंक के सभी तरह के सेविंग अकाउंट में 15,000 की जगह न्यूनतम 25,000 रुपए रखने होंगे या फिर 1 लाख रुपए का टर्म डिपॉजिट रखना होगा।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक में लेन-देन पर फीस

जून के महीने से इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB) के जरिए लेनदेन करना भी महंगा हो जाएगा। IPPB ने 15 जून से नगद लेन-देन फीस लेने का फैसला किया है। नए नियमों के तहत हर महीने पहले तीन नकद निकासी, नकद जमा और मिनी स्टेटमेंट लेने पर कोई शुल्क नहीं देना होगा। मुफ्त लेन-देन के बाद प्रत्येक नकद निकासी या नकद जमा पर 20 रुपए और GST लगेगा, जबकि एक मिनी स्टेटमेंट लेन-देन पर 5 रुपए प्लस GST देना होगा।

बदल जाएंगी गैस सिलेंडर की कीमतें

बता दें देश की सरकारी तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को LPG सिलेंडर की कीमतें तय करती हैं। कीमतों में इजाफा भी हो सकता है और राहत भी मिल सकती है। ऐसे में 1 जून को सिलेंडर की कीमतों में बदलाव हो सकता है। इससे पहले 1 मई को 19 किलो वाले कॉमर्शियल LPG सिलेंडर 102 रुपए महंगा हुआ था।

सावधान ! सुशासन की दिशा में सरकार लेने वाली है कठोर निर्णय : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गरीब कल्याण सम्मेलन में उत्तराखंड भी जुड़ा

■ बमुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कार्यक्रम में पंतनगर से वर्चुअल माध्यम से जुड़े

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिमला में गरीब कल्याण सम्मेलन में प्रतिभाग किया। उन्होंने अनेक राज्यों के लाभार्थियों से वर्चुअल संवाद भी किया, जो सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हुए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान निधि के तहत 10 करोड़ से अधिक किसानों को 21 हजार करोड़ से अधिक की 11वीं किस्त का डिजीटल हस्तांतरण किया। देश के 1500 से अधिक स्थानों से वर्चुअल माध्यम से इस कार्यक्रम में लोग जुड़े थे। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत उत्तराखण्ड के 08 लाख 89 हजार 695 किसानों को 177.94 करोड़ की धनराशि हस्तांतरित की गई।

आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में गरीब कल्याण सम्मेलन के माध्यम से भारत सरकार के नौ मंत्रालयों की सोलह योजनाओं के माध्यम से गरीबों को सरकार द्वारा हर संभव मदद दी जा रही है। इसके तहत जिन महत्वपूर्ण योजनाओं के तहत लाभार्थी लाभान्वित हो रहे हैं, उनमें प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री स्वानिधि योजना, वन नेशन वन राशन कार्ड, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना आदि शामिल हैं। यह सम्मेलन देश भर में अब तक के सबसे बड़े एकल आयोजनों में से एक है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कार्यक्रम में पंतनगर से वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे। उन्होंने

कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई कार्य संस्कृति, कार्य व्यवहार लागू हुआ है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश का मान-सम्मान दुनियां में बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी देश ही नहीं विश्व के स्वीकार्य एवं लोकप्रिय नेता बन गए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 8 वर्ष का सफल कार्यकाल पूर्ण होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में प्रधानमंत्री अन्न योजना के माध्यम से हर व्यक्ति का चूल्हा जलता रहा। सस्ता गल्ला से सम्बन्धित राशन की समस्या को दूर करने के लिए वन नेशन वन राशन कार्ड योजना को बहुत ही सरलता से लागू किया गया है, जिससे जनता को राशन लेने में बहुत आसानी होगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सुशासन की दिशा में सरकार और कठोर निर्णय लेने वाली है। जनता की समस्याओं का सरलता से निराकरण हो, इसके लिए अधिकारियों को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक कार्यालय में उपस्थित रहकर जनसुनवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

उत्तराखण्ड में गरीब कल्याण सम्मेलन का मुख्य आयोजन मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में किया गया। कैबिनेट मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल ने बतौर मुख्य अतिथि राज्य स्तरीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न योजनाओं के तहत 31 लाभार्थियों को सम्मानित भी किया। लाभार्थियों ने इन योजनाओं से हुए लाभ के बारे में अपने विचार साझा किये। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह प्रयास किये जाए कि सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र लोगों को मिले। सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक स्तर पर प्रचार किया जाए, जिससे आमजन योजना का पूरा लाभ उठा सकें।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक बंशीधर भगत, सविता कपूर, उमेश शर्मा काऊ, विनोद चमोली, खजानदास, सहदेव सिंह पुण्डीर, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान, मेयर ऋषिकेश अनिता ममगांई, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, सचिन कुर्वे, एच.सी. सेमवाल, विनोद कुमार सुमन, जिलाधिकारी देहरादून डॉ. आर. राजेश कुमार, जिलास्तरीय अधिकारी एवं लाभार्थी मौजूद थे।

वॉलनट और कीवी के उत्पादन के लिए किसानों को करें प्रोत्साहित : मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु की अध्यक्षता में सचिवालय में राज्य खाद्य सुरक्षा मिशन की कार्यकारी समिति की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि किसानों को उनके उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है, इस दिशा में हर संभव प्रयास किए जाएं। साथ ही मार्केटिंग आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने फसलों की नई वैरायटी विकसित करने हेतु प्रदेश स्तर में ही प्रयास किए जाने के साथ ही दालों, पोषक अनाजों और तिलहन की खेती को अधिक से अधिक प्रोत्साहित किए जाने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने योजनाएं बनाते समय क्षेत्र विशेष हेतु योजनाएं तैयार किए जाने के भी निर्देश दिए। कहा कि प्रत्येक क्षेत्र की अपनी भौगोलिक परिस्थितियां और जलवायु भिन्न-भिन्न होती है। एक ही योजना मैदानी और पर्वतीय क्षेत्र में लागू करने से योजनाओं का समुचित लाभ नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि भौगोलिक परिस्थितियां और जलवायु के अनुसार प्रत्येक जनपद के लिए अलग योजनाएं तैयार की जा सकती हैं। अच्छी योजनाएं तैयार करें। अच्छी योजनाओं के लिए फण्ड की कमी नहीं होने दी जाएगी। इन योजनाओं पर आवश्यकता पड़ने पर राज्य सरकार से भी

फण्ड उपलब्ध कराया जाएगा।

इसके उपरान्त मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री राज्य कृषि विकास योजना और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY-RAFTAAR) की राज्य स्तरीय अनुमोदन समिति की बैठकें भी संपन्न हुई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वॉलनट और कीवी के उत्पादन पर फोकस कर किसानों को इसकी खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इसके लिए हर सम्भव प्रयास किए जाएं।

मुख्य सचिव ने उत्पादों को जंगली जानवरों से सुरक्षित रखने हेतु बायोफेंसिंग विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि इसके लिए अलग से सेल बनायी जाए जो इस दिशा में लगातार क्षेत्र विशेष और वहां रहने वाले जानवरों के अनुसार बायोफेंसिंग तैयार करे। मुख्य सचिव ने सभी एलाईड विभागों द्वारा एक इंटीग्रेटड प्लान तैयार कर पलायन से ग्रसित गांवों में एग्रीगेटर तैयार करने पर बल दिया। उन्होंने एक योजना को पूरे प्रदेश में लागू करने के बजाए, क्षेत्र की आवश्यकता अनुसार प्लान तैयार किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि किसानों को सरकार की ओर से हर सम्भव सहायता उपलब्ध करायी जाए। प्रशिक्षण और इंसेंटिव भी दिया जाए। उन्होंने सभी योजनाओं को सोशल ऑडिट और थर्ड पार्टी ऑडिट किए जाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव आनन्द वर्द्धन, सचिव शैलेश बगोली, वी. वी. आर. सी. पुरषोत्तम सहित सम्बन्धित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

अंडमान निकोबार के LG डी के जोशी ने 5 लाख लोगों को दिलाई तंबाकू मुक्त उत्तराखंड की शपथ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड सरकार में स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर फिर दोहराया है कि 2025 तक प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग विभिन्न जनजागरूकता अभियान चलाकर और विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से प्रयास करेगी कि राज्य में 15 फीसदी लोगों से तम्बाकू की लत छुड़वाई जाएगी... इसके साथ ही स्कूल-कॉलेज आदि के आसपास अगर कोई तम्बाक- गुटका आदि की दुकान खोलता है, तो उसके खिलाफ़ सख्त कार्रवाई की जाएगी... स्वास्थ्य मंत्री रावत ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि शहर से लेकर गांव तक तंबाकू रहित प्रदेश बनाया जाए और यही प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक युवाओं को तम्बाकू सेवन से बचाया जा सके..

मंगलवार को तम्बाकू निषेध दिवस पर दून मेडिकल कॉलेज में विभिन्न विश्वविद्यालयों सहित महाविद्यालय और स्कूली छात्र-छात्राओं सहित स्वास्थ्य विभाग से जुड़े लोगों ने प्रदेश को तम्बाकू रहित प्रदेश बनाने की शपथ ली... इस मौके पर जहां स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने सबको शपथ दिलवाई.. तो इस मौके पर अंडमान निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल एडमिरल डीके सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे... इस मौके पर मुख्य अतिथि अंडमान निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल एडमिरल डीके सिंह ने कहा कि गांव भारत के विकास के पहिए की सबसे मजबूर कड़ी है.. उन्होंने कहा कि अगर हमारे गांव स्वस्थ होगा, तो देश की प्रगति और भी तेजी से होगी... जोशी ने कहा कि पहाड़ में मैदान की अपेक्षा श्वास और छाती रोग की समस्या अधिक है... इसका मुख्य कारण तम्बाकू सेवन है.. इसलिए यह एक सार्थक प्रयास है कि उत्तराखंड के गांव से तम्बाकू निषेध की मुहिम चलाई जा रही है...

न्यूज़ वायरस के साथ एक्सक्लूसिव बातचीत में उपराज्यपाल एडमिरल डीके सिंह ने कहा कि इस वक्त प्रदेश में चार धाम यात्रा चल रही है और अगर उन्हें मौक़ा मिला तो वो इसका हिस्सा ज़रूर बनेंगे। उन्होंने उत्तराखंड , ख़ास कर रानीखेत से जुडी यादों को दोहराते हुए कहा कि हमारा राज्य खूबसूरत और शांत , सुंदर है। यहाँ देश भर से युवा पढ़ने आते हैं लिहाज़ा ड्रग्स , नशा जैसी बुराइयों से इन्हे बचाने के लिए एक दिन नहीं बल्कि लगातार जागरूकता अभियान चलना चाहिए। इस दौरान दून मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ आशुतोष सयाना ने शपथ कार्यक्रम की अहमियत और युवाओं को दिलाई गई नो टोबैको की शपथ को जन जन तक पहुंचाने की बात कही है।

₹आओ गांव चलो उत्तराखंड को तंबाकू मुक्त करें SSP अल्मोड़ा प्रदीप राय की अनोखी पहल

तम्बाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में किया जा रहा जागरूक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा प्रदीप कुमार राय के सख्त निर्देशों के बाद अल्मोड़ा के तमाम गाँव कस्बों में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस" पर तंबाकू के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान ₹आओ गांव चलो उत्तराखंड को तंबाकू मुक्त करें₹ का असर दिखाई दे रहा है। जिले में उन स्कूली बच्चों को फोकस किया जा रहा है जो किशोरावस्था में प्रवेश कर रहे हैं और जो घर परिवार के माहौल से प्रभावित होने

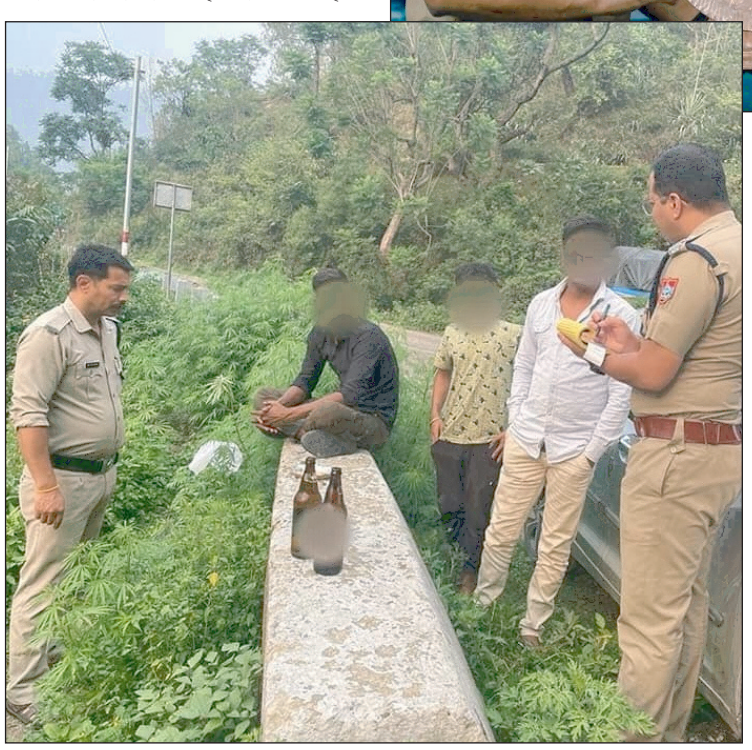

की दहलीज़ पर हैं।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर थाना लमगड़ा पुलिस द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज दुर्गानगर, शहरफाटक तथा लमगड़ा मे "विश्व तम्बाकू निषेध दिवस" के अवसर पर छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाते हुए तंबाकू उत्पादों का सेवन न करने तथा तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभवों के सम्बन्ध में जागरूक किया गया तथा यातायात नियमों ,महिला सुरक्षा संबंधी कानून, साइबर अपराध ,बाल अपराध के संबंध मे विस्तृत जानकारी दी गई, साइबर अपराध से संबंधित टोल फ्री नंबर 1930, गौरा शक्ति ऐप, ट्रैफिक आई ऐप आदि के संबंध में जानकारी दे कर जागरूक अभियान चलाया गया । कमान सम्हालते ही एसएसपी अल्मोड़ा प्रदीप राय ने निर्देश दिया कि पुलिस और जनता के बीच दूरी को खत्म किया जाये लिहाज़ा पुरे जिले में पुलिस और अन्य हेल्पलाइन नंबरों के बोर्ड लगवाए जा रहे हैं जिससे आम आदमी

और फरियादी को इधर उधर चक्कर न काटना पड़े और वो एक फोन कॉल से सम्बंधित हेल्पलाइन से मदद प्राप्त कर सके।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर खुद एसएसपी प्रदीप राय लोगों को नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाते नज़र आये। इतना ही नहीं उन्होंने पुलिस टीम को गंभीरता से चेकिंग अभियान करते हुए फील्ड में शराबियों और नशखोरों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की हिदायत दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा द्वारा दिये गये निर्देशानुसार चलाए जा रहे हैं नशा मुक्ति अभियान में द्वाराहाट पुलिस द्वारा मिशन इंटर कॉलेज द्वाराहाट में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर विद्यालय के छात्र- छात्राओं को तंबाकू सहित अन्य नशीले पदार्थ के सेवन से होने वाले दुष्प्रभाव एवं उनकी रोकथाम के सम्बन्ध में जानकारी देकर जागरूक किया गया इसके अलावा साइबर क्राइम, महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित अपराधों, यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई, तथा साइबर अपराध से संबंधित टोल फ्री नंबर 1930, एवं अन्य विभिन्न पुलिस हेल्पलाइन नंबर की भी जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया गया ।

तंबाकू निषेध दिवस पर छात्र, छात्राओं को कैबिनेट मंत्री महाराज ने दिलाई शपथ

आशीष तिवारी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश के संस्कृति और पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत तंबाकू निषेध दिवस पर गुजराडा स्थित राजकीय इंटर कॉलेज के छात्र छात्राओं को तंबाकू का सेवन न करने की शपथ दिलाई।प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने राजकीय इंटर कॉलेज के छात्र छात्राओं को राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 31 मई विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू सेवन न करने और इसके लिए समाज को जागृत करने की शपथ दिलाई।

₹आओ गांव चलें- उत्तराखंड को तंबाकू मुक्त करें₹ कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यक्रम मैं छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि हम सभी यह बात जानते हैं कि जीवन के लिए हमें ऑक्सीजन चाहिए। जब हम सिगरेट पीते और तंबाकू का सेवन करते हैं तो कार्बन डाइऑक्साइड को शरीर में भेजते हैं जो कि बहुत ही हानिकारक है इसीलिए सिगरेट के डिब्बे पर भी तंबाकू सेवन न करने की चेतावनी स्पष्ट रूप से लिखी होती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से समाज में चेतना पैदा करनी है कि लोग तंबाकू का सेवन ना करें। अनेक छात्राओं ने भी इस अवसर पर धूम्रपान निषेध पर अपने अपने विचार व्यक्त किए और तंबाकू के दुष्प्रभाव के बारे में बताया।

इस मौके पर राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य पी.एन. सकलानी, डीईओ मध्यमिक सुदर्शन सिंह बिष्ट, पीटी अध्यक्ष रमेश रावत, अरुण सिंह बिष्ट, भारतेंदु पटवाल एवं पी.एस. बिष्ट सहित अनेक छात्र छात्राएं एवं विद्यालय कर्मी मौजूद थे।

आज पर्यटकों के लिए खोल दी जाएगी फूलों की घाटी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

यूनेस्को की विश्व धरोहर फूलों की घाटी बुधवार से पर्यटकों के लिए खुलने जा रही है। पर्यटन विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। पर्यटकों की सभी जरूरतों का ख्याल रखा जाएगा।

फूलों की 300 से ज्यादा प्रजातियों को समेटे फूलों की घाटी बुधवार से पर्यटकों का इस्तकबाल करेगी। सचिव पर्यटन दिलीप जावलकर ने बताया कि विभागीय स्तर पर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि समुद्रतल से 3962 मीटर ऊंचाई पर यह घाटी 87.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली है। फूलों की घाटी नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व में आती है। यह जगह कुछ रंगीन और अविश्वसनीय फूलों जैसे गेंदा और ऑर्किड से बसी पड़ी है। इसके अलावा, इस क्षेत्र में पक्षियों, तितलियों और जानवरों को भी काफी अच्छी संख्या में देखा जा सकता है।

फूलों की घाटी एक जून से अक्तूबर तक पर्यटकों के लिए खुली रहेगी। पूरी घाटी दुर्लभ और विदेशी हिमालयी वनस्पतियों से समृद्ध है। यहां फूलों की 300 से अधिक प्रजातियां पाईं जाती हैं, जिनमें एनीमोन, जेरेनियम, प्राइमुलस, ब्लू पोस्पी और ब्लूबेल शामिल हैं। यहां देखने के लिए सबसे खूबसूरत फूल ब्रह्म कमल है, जिसे उत्तराखंड का राज्य फूल भी कहा जाता है। पर्यटन सचिव के मुताबिक, फूलों की घाटी ब्रिटिश पर्वतारोही और वनस्पति शास्त्री, फ्रैंक एस स्मिथ की 1931 में की हुई आकस्मिक खोज थी। इसे यूनेस्को ने 2005 में विश्व धरोहर घोषित किया था।

फूलों की घाटी में 17 किलोमीटर लंबा ट्रेक है, जो 10,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित घांघरिया से शुरू होता है। जोशीमठ के पास एक छोटी सी बस्ती गोविंदघाट से ट्रेक के जरिये पहुंचा जा सकता है। फूलों की घाटी में प्रवेश करने के लिए नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान की ओर से ऑफलाइन माध्यम से अनुमति दी जाती है।

राष्ट्रीय विद्यालयी शिक्षा सम्मेलन में गुजरात पहुंचे शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत

नई शिक्षा नीति-2020 की प्रगति एवं क्रियान्वयन पर होगी चर्चा

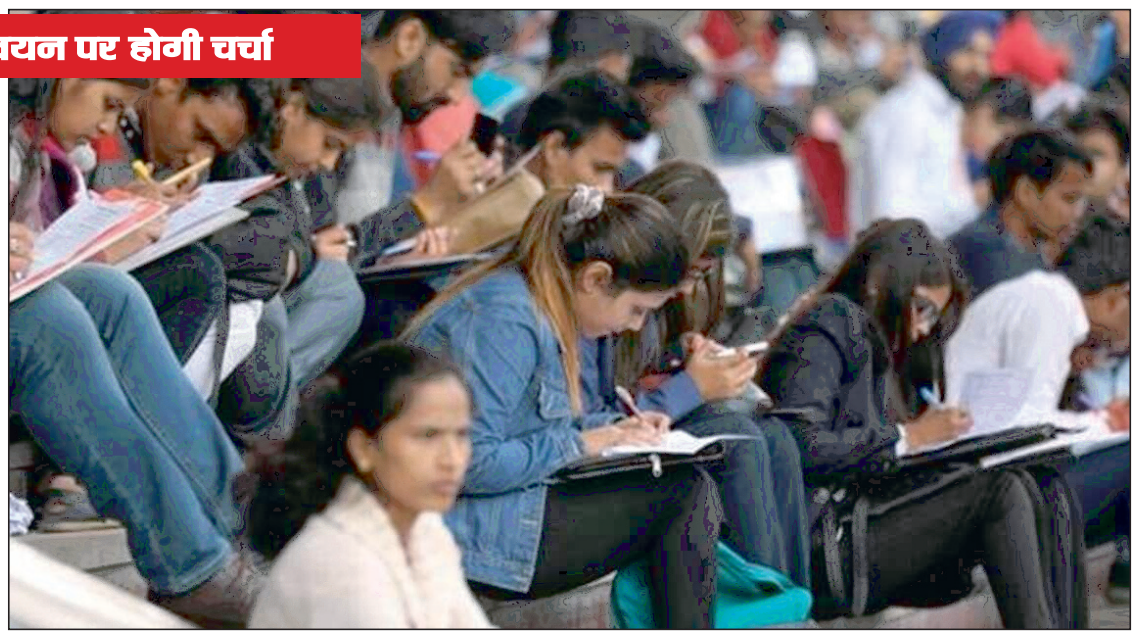

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गांधीनगर में आयोजित शिक्षा मंत्रियों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग करने के लिए मंगलवार को सूबे के शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत गुजरात गए हैं। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा एक एवं दो जून को आयोजित राष्ट्रीय विद्यालयी शिक्षा सम्मेलन में देशभर के शिक्षा मंत्री प्रतिभाग करेंगे। सम्मेलन में नई शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन की प्रक्रिया, नई नीति को लागू करने को लेकर विचारों एवं रणनीतियों के आदान-प्रदान पर चर्चा की जायेगा।

गुजरात रवाना होने से पहले शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने मीडिया को दिये बयान में बताया कि केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा आगामी एक व दो जून को गांधीनगर में राष्ट्रीय विद्यालयी शिक्षा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिसकी अध्यक्षता केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान करेंगे, सम्मेलन में देशभर के शिक्षा मंत्री एवं शिक्षा सचिव प्रतिभाग करेंगे।

उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्रियों के इस राष्ट्रीय सम्मेलन में नई शिक्षा नीति-2020

■ सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री सहित शामिल होंगे सभी राज्यों के शिक्षा मंत्री

के कार्यान्वयन की प्रक्रिया पर विचार-विमर्श किया जायेगा साथ ही स्कूलों के पुनः खुलने पर लर्निंग रिकवरी को लेकर रणनीति एवं विचारों का आदान-प्रदान किया जायेगा। डॉ0 रावत ने बताया कि राज्य में आगामी जुलाई माह में नई शिक्षा नीति लागू कर दी जायेगी, जिसके लिये युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति सर्वप्रथम प्राथमिक स्तर पर लागू की जायेगी। इसके अंतर्गत राज्य के आंगनबाडी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण करते हुए आंगनबाडी कार्यकर्त्रियों को विशेष प्रशिक्षण देकर बालवाटिका नाम से कक्षाओं का शुभारम्भ किया जायेगा।

इसके साथ ही प्राथमिक एवं पूर्व प्राथमिक स्कूलों में मूलभूत सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। डॉ0 रावत ने बताया कि इसके साथ-साथ नेशनल केरिकुलम फ्रेमवर्क की तर्ज पर स्टेट केरिकुलम फ्रेमवक स्कूलों के लिए नये पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने में जुटा है। जिसमें भारतीय ज्ञान परम्परा सहित राज्य के आदर्श एवं महत्वपूर्ण जानकारियां सम्मिलित होंगी। डॉ0 रावत ने बताया कि राष्ट्रीय विद्यालयी शिक्षा सम्मेलन में नई शिक्षा नीति के अंतर्गत शिक्षा विभाग द्वारा राज्य में की गई तैयारियों एवं भविष्य की योजनाओं का प्रस्तुतिकरण दिया जायेगा।

बिरजू महाराज की शिष्या कत्थक गुरु मालती श्याम ने शागिर्दो को दिया गुरुमंत्र

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

महान कथक गुरु बिरजू महाराज की परम शिष्या कत्थक गुरु मालती श्याम ने चार दिवसीय कत्थक कार्यशाला के समापन पर 70बालिकाओं को ₹ प्रमाण पत्र₹ देकर उनको कामयाबी की शुभकामनाएं दी। देहरादून के सहस्त्रधारा में चार दिवसीय कत्थक कार्यशाला का समापन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उमा अध्यक्ष साधना शर्मा , बिरजू महाराज की परम शिष्या कत्थक गुरु मालती श्याम, नृत्य महाविद्यालय की निदेशक प्रिया शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कत्थक की विभिन्न शैलियों पर पद्मश्री व पद्म विभूषण पं बिरजू महाराज जी की परम शिष्या कत्थक गुरु मालती श्याम द्वारा बच्चों को विभिन्न शैलियों की जानकारियां दी गई व नृत्य की बारिकियों से रुबरु कराया गया। कार्यशाला का आयोजन केवल विला, सहस्त्रधारा रोड स्थित₹ घुंघरू नृत्य महाविद्यालय₹के सौजन्य से किया गया। घुंघरू की निदेशक प्रिया शर्मा ने बताया कार्यशाला में 70 बालिकाओं ने प्रतिभाग किया।

चमोली पुलिस की गिरफ्त में आया नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला शातिर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गौचर के रहने वाले अखिलेश कुमार ठगी के शिकार हो गए थे। अनोखी ठगी का ये मामला गौचर थाना कर्णप्रयाग जनपद चमोली में दर्ज कराया गया। कोतवाली कर्णप्रयाग में लिखे गयी रिपोर्ट की माने तो उसके परिचित हरीश पंचवाल जो कि धुडसाल नगरासू जिला रुद्रप्रयाग के हैं उन्होंने खुद को कई सीनियर अधिकारियों और नेताओं का परिचित बताकर जिला सूचना अधिकारी के पद पर नौकरी लगाने के नाम पर पीड़ित से दस लाख रूपये ऐंठ लिए थे। लेकिन काम न बनने के बाद जब पीड़ित ने पैसा वापस मांगा तो वो न रुपये वापस कर रहा था और ना ही फोन उठा रहा था।

इस बेहद गंभीर अपराध की जानकारी जैसे ही जिले की एसपी श्वेता चौबे को मिली उन्होंने अपराध गम्भीरता का स्वयं संज्ञान लेते हुए कोतवाली कर्णप्रयाग को तत्काल मुकदमा कायम कर अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए क्षेत्राधिकारी कर्णप्रयाग के नेतृत्व में कुशल पुलिस टीम गठित करने हेतु निर्देशित किया गया।

एसपी के आदेश के बाद कोतवाली कर्णप्रयाग पर पीड़ित की रिपोर्ट के आधार पर हरीश पंचवाल के विरुद्ध मामला दर्ज कर अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने बेहद कम समय में सटीक मुखबिरी और सूत्रों के ज़रिये , सर्विलांस शाखा द्वारा निकाली गई लोकेशन के आधार पर हरीश पंचवाल को जनपद अल्मोड़ा से गिरफ्तार कर लिया है।

धोखाधड़ी का शिकार हुए लोगों ने बताया कि अभियुक्त के द्वारा बड़े-बड़े नेताओं व कई सीनियर अधिकारियों से जान पहचान होने का झांसा देकर जिला सूचना अधिकारी,जिला उद्यान अधिकारी,बाल विकास अधिकारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर, के पदों पर नौकरी दिलाने के बहाने कई लोगों के लाखों की ठगी की गई है। अभियुक्त के द्वारा महिला ग्राम विकास उद्योग संस्था के नाम पर एक एनजीओ भी संचालित किया जा रहा है। लोगों को अपने झांसे में लाने के लिए अभियुक्त के द्वारा मँहंगी लक्जरी गाड़ियों का उपयोग किया जाता था जिससे लोगों पर अपना रौब दिखा सके। लेकिन बेहद कम समय में इस शातिर व्यक्ति को चमोली पुलिस ने जिस तरह से अपनी गिरफ्त में लिया है वो ये बताता है कि अगर पुलिस की मजबूत और काबिल टीम अपराधियों को पकड़ना चाहे तो अपराधी कितना भी होशियार क्यों न हो वो कानून के जाल में फंसता ही है।

मामूली सी पंचर की दुकान चलाने वाला निकला सात करोड़ का मालिक

सच्चाई जानकर पुलिस भी हैरान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तर प्रदेश के बरेली में एक बेहद ही हैरान करने वाली खबर सामने आई है। , जिसे सुनकर आप अपने दांतों तले ऊँगली दबा लेंगे। जी हां...यहां एक मामूली सी पंचर की दुकान चलाने वाला अनपढ़ शख्स 7 करोड़ों की प्रॉपर्टी का मालिक निकला। पुलिस भी अनपढ़ आरोपी के शातिर दिमाग की कारिस्तानी से हैरान रह गई। यहां पंचर लगाने वाले शख्स ने एक साल में करीब सात करोड़ की संपत्ति बना ली। वो पढ़ा लिखा भी नहीं है। हालांकि शातिर इतना था कि करोड़ों संपत्ति अर्जित करने के बावजूद वो पंचर लगाने का काम करता रहा ताकी किसी की भी आंखों में न आए। हालांकि अब उसकी पोल खुल चुकी है। उसके पास कोई भी रोजगार नहीं था। दिल्ली-लखनऊ हाईवे किनारे टायर पंचर बनाने के लिए एक खोखा रख लिया था। पंचर बनाकर वह 300 से 400 रुपये ही रोजाना कमा पाता था। उसकी गुजर बसर मुश्किल से हो रही थी। इस्लाम भी अमीर बनना चाहता था। इसी दौरान उसकी मुलाकात स्मैक तस्कर नन्हे लंगड़ा से हुई। इसके बाद इस्लाम भी पंचर दुकान की आड़ में नन्हे लंगड़ा के लिए ड्रग और स्मैक तस्करी करना लगा।

इस्लाम ने काली कमाई से बाइक शोरूम, आलीशान कोठी खड़ी कर ली। पिछले एक साल में उसने करीब सात करोड़ की संपत्ति का मालिक बन गया। करोड़पति बनने के बाद भी इस्लाम ने पंचर बनाने का काम जारी रखा ताकि उस पर किसी को शक न हो। बरेली पुलिस ने कुछ दिन पहले नन्हे लंगड़ा और उसके भतीजे को स्मैक की तस्करी करते रंगे हाथों पकड़ा था। पूछताछ में इस्लाम का नाम सामने आया। पुलिस के खुफिया विभाग ने जांच शुरू की तो इस्लाम की पोल खुल गई।इस्लाम कैसे आया पुलिस की रडार परमीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस्लाम शातिर दिमाग जरुर था, लेकिन इतना भी शातिर नहीं की पुलिस की नजरों से बच सके। दरअसल, कुछ समय पहले बरेली पुलिस नन्हे लंगड़ा और उसके भतीजे को स्मैक की तस्करी करते रंगे हाथों पकड़ लिया था। पुलिस ने दोनों को जेल भेजकर मामले की जांच में शुरू की तो इस्लाम खान का नाम भी सामने आया। इस्लाम का नाम सामने आने के बाद पुलिस ने अपनी खुफिया विभाग (एलआईयू) को एक्टिव किया।पूछताछ के दौरान फंस गया इस्लाम खानपंचर बनाने वाले इस्लाम खान से खाते में जमा हुई रकम के बारे में पूछताछ की तो सारा मामला सामने आ गया। फिलहाल पुलिस ने उसकी संपत्तियों को जब्त कर गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। वहीं, बीडीए ने पुलिस के साथ मिलकर हाल ही में इस्लाम द्वारा खोला गया बाइक शोरूम को ध्वस्त कर दिया है।

संपादकीय

नये युग के नये अफसर

कहा जाता है कि देश में शासन पीएम, सीएम और डीएम ही चलाते हैं. इसमें बहुत हद तक सच भी है. झारखंड से लेकर दिल्ली तक कुछ समय से कई नौकरशाह सुर्खियों में हैं. यूपीएससी में जिन युवकों का चयन होता है, वे कड़ी मेहनत और प्रतिस्पर्धा से अपना मुकाम हासिल कर पाते हैं. प्रशासनिक सेवा में चयन पर बधाइयों का तांता लग जाता है. पूरे परिवार का नाम रौशन हो जाता है, लेकिन जब अधिकारियों के आचार- व्यवहार को लेकर निराशाजनक खबरें आती हैं, तो सिर शर्म से झुक जाता है. इन दिनों दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में कुत्ते के साथ सैर करनेवाले आइएएस अफसर संजीव खिरवार का मामला चर्चा में है. दिल्ली सरकार में राजस्व सचिव खिरवार पर आरोप है कि वे शाम को स्टेडियम में अपने कुत्ते को टहलाने ले जाते थे. इसके मद्देनजर पूरा स्टेडियम खाली करा दिया जाता था और वहां प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ियों को बाहर निकाल दिया जाता था. इंडियन एक्सप्रेस में छपी खबर के अनुसार पिछले कई महीनों से यह हो रहा था कि शाम होते ही सुरक्षाकर्मी स्टेडियम पर कब्जा कर लेते थे और प्रैक्टिस कर रहे खिलाड़ियों और कोच को बाहर कर देते थे, ताकि अधिकारी कुत्ते को वहां टहला सकें. खबर छपने के बाद गृह मंत्रालय ने खिरवार का तबादला लद्दाख और उनकी आइएएस पत्नी का तबादला अरुणाचल प्रदेश कर दिया. हाल में इंडियन एक्सप्रेस में ही खबर छपी कि भले ही एयर इंडिया टाटा समूह के पास चली गयी हो, लेकिन ब्यूरोक्रेट का जलवा कम नहीं हुआ है. ब्यूरोक्रेट अपनी निजी विदेश यात्रा के दौरान ऐसा करते हैं कि वे इकोनॉमी क्लास में टिकट कटवाते हैं और उसे अपने प्रभाव से कई गुना अधिक कीमत के बिजनेस क्लास में परिवर्तित करा लेते हैं. कुछ दिन पहले नागरिक उड्डयन विभाग से जुड़े एक वरिष्ठ नौकरशाह ने भी ऐसा ही किया था. बीते अगस्त में हरियाणा के करनाल जिले में पुलिस ने प्रदर्शनकारी किसानों पर लाठीचार्ज किया था. इसमें कई किसान गंभीर रूप से घायल हुए थे. उस समय करनाल के एसडीएम का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उन्हें पुलिसकर्मियों को किसानों का सिर फोड़ने का आदेश देते हुए स्पष्ट सुना जा सकता था. छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में भी कोरोना लॉकडाउन के दौरान जिलाधिकारी को एक युवक ने दवाई की पर्ची भी दिखायी और बताया कि वह दवा लेने जा रहा था, लेकिन डीएम नहीं माने और उन्होंने युवक को थप्पड़ जड़ दिया था. किसी ने इस घटना का वीडियो बना लिया और डीएम को लेने के देने पड़ गये. कोरोना काल में ही त्रिपुरा से भी एक वीडियो आया था, जिसमें एक डीएम ने एक शादी को बीच में ही रुकवा दिया था. सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो वायरल हुआ और सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया था. कहने का आशय यह है कि अधिकारियों में पद के दुरुपयोग की प्रवृत्ति बढ़ गयी है, जिसके लिए प्रशासनिक सेवा का गठन हुआ था, वह अपना काम नहीं कर रही है. अधिकारियों में संवेदना और मानवीय मूल्यों का अभाव साफ नजर आता है. वे ओहदे का बेजा इस्तेमाल करते दिख रहे हैं. ऐसी अनेक घटनाएं हैं, जिनमें अधिकारियों के पास से बड़ी राशियां बरामद हुई हैं.

उत्तराखंड में मंकीपाक्स को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादूनः कई देशों में तेजी से फैल रहे मंकीपाक्स संक्रमण को लेकर राज्य का स्वास्थ्य महकमा भी अलर्ट हो गया है। स्वास्थ्य महानिदेशालय ने इस संदर्भ में एडवाइजरी जारी कर दी है। स्वास्थ्य महानिदेशक डा. शैलजा भट्ट ने मंगलवार को सभी जिलों के मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देश जारी किए।

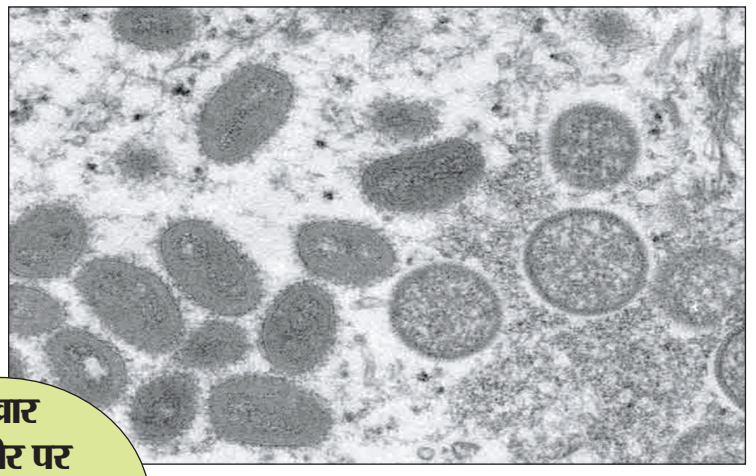

बुखार व शरीर पर लाल चकते दिखाई देने पर करें डाक्टर से संपर्क

एडवाइजरी में कहा गया है कि जिन लोग में बुखार के साथ शरीर पर लाल चकते जैसे लक्षण दिखाई देते हों, वह तुरंत अपनी नजदीकी चिकित्सक से संपर्क करें। ऐसे व्यक्ति जिन्होंने पिछले 21 दिन में किसी ऐसे देश की यात्रा की है, जहां हाल ही में मंकीपाक्स के मामले मिले हैं, या फिर इस बीमारी के संदिग्ध मामलों की पहचान हुई है, वह भी चिकित्सक से जांच कराएं।

मंकीपाक्स से संक्रमित अथवा संदिग्ध व्यक्ति के संपर्क में आने वाले व्यक्ति भी अपनी जांच कराएं। सभी जिलों के सीएमओ को निर्देश दिए गए हैं कि मंकीपाक्स के संदिग्ध मरीजों को चिन्हित अस्पतालों में तब तक पृथक (आइसोलेट) किया जाएगा, जब तक कि संबंधित व्यक्ति के सभी घावों पर त्वचा की नई परत नहीं बन जाती है। इलाज कराने वाले चिकित्सक के आइसोलेशन समाप्त करने का निर्णय लेने पर ही मरीज को अस्पताल से डिस्चार्ज किया जाएगा।

मंकीपाक्स के लक्षण वाले संदिग्ध मरीज आइडीएसपी (एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम) के जिला सर्विलांस अधिकारी की निगरानी में रहेंगे। संभावित संक्रमण की स्थिति में मंकीपाक्स वायरस की जांच के लिए सैंपल एनआइवी (नेशनल इंस्टीट्यूट आफ वायरोलाजी) पुणे भेजे जाएं।

जांच रिपोर्ट पाजिटिव आने पर तुरंत कांट्रेक्ट ट्रेसिंग करने और पिछले 21 दिन में मरीज के संपर्क मे आए सभी व्यक्तियों की पहचान करने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि देश में अभी मंकीपाक्स का कोई मामला रिपोर्ट नहीं हुआ है, लेकिन जिस तरह अफ्रीका व यूरोप में इस बीमारी के मामले सामने आ रहे हैं, उसे देखते हुए स्वास्थ्य महकमा सतर्क हो गया है।

केदारनाथ में श्रद्धालुओं को घंटों लाइन में नहीं होना पड़ेगा खड़ा, अब टोकन सिस्टम से होंगे बाबा केदार के दर्शन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। बाबा केदार के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की उमड़ रही भीड़ को देखते हुए पुलिस विभाग यहां जल्द ही टोकन सिस्टम शुरू करने जा रहा है। इसके तहत धाम में श्रद्धालुओं को टोकन जारी किए जाएंगे। एक-एक घंटे के स्लाट में वही श्रद्धालु लाइन में खड़े रहेंगे, जिन्हें स्लाट का टोकन दिया जाएगा।

चारधाम यात्रा इस समय जोरों पर चल रही है। देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। धाम में श्रद्धालुओं के लिए शेड की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में श्रद्धालुओं को चार से छह घंटे तक लाइन में खड़े होकर बाबा केदार के दर्शन के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। श्रद्धालुओं की इसी समस्या को देखते हुए पुलिस ट्रायल के तौर पर टोकन सिस्टम शुरू करने जा रही है।

इस व्यवस्था के अनुसार, धाम पहुंचने वाले हर श्रद्धालु को टोकन जारी किया जाएगा। पुलिस विभाग की ओर से एक-एक घंटे का

स्लाट रखा जाएगा। एक घंटे में करीब 1000 श्रद्धालु ही लाइन में खड़े होंगे। इसके बाद के जो टोकन जारी होंगे, उन्हें बाकायदा समय दिया जाएगा कि वह इस समय लाइन पर खड़े हों। इस दौरान ऐसे श्रद्धालु लाइन में खड़े न होकर इधर-उधर घूम सकते हैं।

पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने बताया कि ट्रायल के तौर पर टोकन व्यवस्था शुरू की जा रही है। टोकन व्यवस्था से जब श्रद्धालुओं का नंबर आएगा, तब तक वह आराम कर सकते हैं। व्यवस्था को लागू करने में एक समस्या यह आ रही है कि लोग लाइन छोड़ने को तैयार नहीं हैं। काफी समझाने के बावजूद भी वह आराम करने को तैयार नहीं हैं। व्यवस्था को पटरी पर लाने की कोशिश की जा रही है।

उत्तराखंड में मई माह में मौसम रहा मेहरबान, सामान्य से डेढ़ गुना अधिक हुई बारिश

देहरादूनः मार्च और अप्रैल में सूखे के हालात के बाद मई में मौसम मेहरबान रहा। इस बीच सामान्य से डेढ़ गुना अधिक बारिश दर्ज की गई। जबकि, ग्रीष्मकालीन सीजन में अब भी सामान्य से 31 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

उत्तराखंड में मई की शुरुआत से ही रुक-रुककर बारिश का क्रम जारी रहा। हालांकि, पहले पखवाड़े में सामान्य से कम बारिश हुई, लेकिन दूसरे पखवाड़े में बारिश का क्रम तेज रहा। खासकर पर्वतीय क्षेत्रों में जमकर बारिश और ओलावृष्टि हुई। मई में ओवरआल बारिश की बात करें तो प्रदेश सामान्य से 50 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई।

कई देशों में तेजी से फैल रहे मंकीपाक्स संक्रमण को लेकर राज्य का स्वास्थ्य महकमा भी अलर्ट हो गया है।

हालांकि, एक मार्च से शुरू ग्रीष्मकालीन सीजन में अब तक भी 31 प्रतिशत बारिश कम हुई है। मार्च के बाद अप्रैल में भी पारा रिकार्ड स्तर पर बना रहा। जबकि, अप्रैल में बारिश की बात करें तो नौ साल में इस बार सबसे कम बारिश दर्ज की गई।

बीते 10 साल में महज तीन बार मई में प्रदेश में 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश रिकार्ड की गई। इससे पहले पिछले वर्ष भी सामान्य से करीब 70 प्रतिशत अधिक बारिश हुई थी। पिछले साल मई में 167 मिमी बारिश हुई थी। इसके अलावा वर्ष 2017 में 116 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। जबकि, इस वर्ष भी 100 मिमी बारिश हुई है।

विशेष साक्षात्कार : दुर्गेश्वर लाल, पुरोला विधायक

'हम जनता के आदमी हैं जनता की सरकार है': दुर्गेश्वर लाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी जिले की पुरोला विधानसभा सीट से पहली बार चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे बीजेपी विधायक दुर्गेश्वर लाल इन दिनों एसडीएम सोहन सिंह से विवाद के कारण सुर्खियों में हैं। विधायक पर आरोप लगाकर थाने में तहरीर देने वाले एसडीएम का ट्रांसफर हो गया है और पहली बार के विधायक दुर्गेश्वर लाल ने इस मामले में अपने सख्त तेवर दिखाएं हैं। विधायक ने साफ कहा है कि एसडीएम की कार्यशैली और तौर-तरीके सही नहीं हैं। बीजेपी मुख्यालय पहुंचे **विधायक दुर्गेश्वर लाल** से **एम. फ़हीम 'तन्हा'** ने खास बात की।

प्रश्न.1- विधायक जी आपके क्षेत्र के एसडीएम ने आपके खिलाफ थाने में तहरीर दी, ये विवाद सुर्खियों में है, आखिर ऐसी नौबत क्यों आई.?

उत्तर- सबसे पहले मैं आपको (मीडिया) और प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी का धन्यवाद करना चाहता हूँ जिन्होने एक संदेश दिया है कि भ्रष्टाचार को सहा नहीं जाएगा। देखिए हमारे बीच में कोई विवाद नहीं था, वो एक अधिकारी हैं और मैं एक जनप्रतिनिधि हूं...लेकिन उसने वहां पर जिस प्रकार से भ्रष्टाचार को उत्पन्न कर रखा था, लोगों के साथ ठेकेदारी प्रथा को खड़ा कर रखा था, मिलने आने वाले लोगों को परेशान करते थे, मिलते नहीं थे आज-कल पर टाल देते थे, उनकी तमाम भ्रष्टाचार की नीतियां थी जो आए दिन सामने आती थी जनता ने मुझे कई बार शिकायत की थी। मैने उस संबध में बात रखी लेकिन उन्होंने इसका भी कभी संज्ञान नहीं लिया, और लेकिन उलटा मुझे शिष्टाचार सिखाने की बात कर रहे थे। इस सब मामले की वजह से हमारे प्रदेश नेतृत्व ने उस पर संज्ञान लिया। मैं पुनः प्रदेश नेतृत्व का धन्यवाद देता हूँ कि जिन्होने भ्रष्टाचार मुक्त का जो नारा दे रखा है उसका सबसे पहला उदाहरण यही है।

प्रश्न.2- एसडीएम ने अपने आरोप पत्र में यह कहा है कि आप उनको रात में बुला रहे थे, उनको आशंका थी कि उनके साथ कोई अप्रिय घटना या मारपीट हो सकती थी, उनको डर लग रहा था। क्या आप गुस्से में थे कि एसडीएम के साथ कोई अभद्रता हो सकती थी?

उत्तर- देखिए मैं आपको एक बात बता देता हूं कि आप मेरे स्वभाव के बारे में किसी से भी पूछ लीजिये। लेकिन उन्होंने अनर्गल बयानबाजी की, गलत तरीके से मेरे पर आरोप लगाए, उनका सोशल मीडिया चलाने वाले एजेंटों ने मेरी छवि को धूमिल करने का काम किया, उसका मेरे पास एविडेंस है मेरे कार्यकर्ता बंधुओं के पास रिकॉर्डिंग है, क्योंकि मैं जनता के बीच का आदमी हूं। उन्होंने वहां पर अतिक्रमण का काम कराया और पर्सनल प्रॉपर्टी को तुड़वाने का काम किया है, वो सब एसडीएम की शय में हुआ है। और जो वो रात में काल करने की बात कर रहे हैं वो मेरी कॉल डिटेल निकाल लें, किस समय मैंने कॉल की थी। मेरी शाम को 6 बजकर 55 मिनट पर बात हुई थी और उसने अपनी तहरीर में 10 बजे का समय लिखा है, तो इस बात की जांच की जाए और मैं तो मांग करता हूं की उसकी संपत्ति की भी जांच होनी चाहिए, क्योंकि वो सरकारी धन का दुरुपयोग करता था। एसडीएम का घर विकासनगर में था और वो वहां से सरकारी गाड़ी सरकारी ड्राइवर और सरकारी धन का दुरुपयोग करता था, प्रदेश को गुमराह करता था, ऐसे लोगों को सबक मिलनी

चाहिए ताकि आने वाले समय में इस प्रकार से कोई आदमी ना सोचे।

प्रश्न.3- पहले भी कई बार हुआ है कि जनप्रतिनिधियों और अफसरों की बीच मतभेद उभरे हैं लेकिन इस प्रकार विधायक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की तहरीर का संभव ये पहला मामला है, किस रूप में देखते हैं ये दोनों के बीच का संघर्ष?

उत्तर- देखिए मैं आपको बता दूं कि आप उसकी हिम्मत देखिएगा, अगर एक एसडीएम एक विधायक के खिलाफ तहरीर दे सकता है, एफआईआर दर्ज करा सकता है तो वो आम जनमानस के बारे में क्या सोचता होगा, क्या वो लोगों के काम करता होगा? यही तो बात है कि वो लोगों को कुछ नहीं समझता था, लोगों को डरा धमकाकर बात करता था, उसकी तानाशाही थी। मैं कहता हूं कि आदरणीय पुष्कर सिंह धामी जी और यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में अब ऐसा नहीं होने वाला है।

प्रश्न.4- तो क्या यही सब वजह रही कि आपने पुरोला एसडीएम का ट्रांसफर करवा दिया?

उत्तर- मेरे हाथ में ट्रांसफर करना नहीं था, जैसा उसने गलत काम किया सरकार ने इसका संज्ञान लिया, उसके गलत काम का उसको फल मिलना ही चाहिए।

प्रश्न.5- पिछली सरकारों में भी इस प्रकार अफसरों और जनप्रतिनिधियों के साथ मतभेद देखने को मिलते रहे हैं, मंत्रियों के साथ भी देखने को मिले हैं...इसको आगे कैसे देखते हैं?

उत्तर- देखिए मैं आपको एक बात बताता हूं, देश में, प्रदेश में या मेरी विधानसभा क्षेत्र ही क्यों ना हो, जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता के लिए चुने गए हैं, हम जनता के आदमी हैं और ये जनता की सरकार है, हम किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं हैं बल्कि जनता का काम करुंगा और अगर कोई मेरे क्षेत्र के खिलाफ या मेरी जनता के खिलाफ अगर कोई अन्याय करेगा तो उसको बख्शा नहीं जाएगा।

प्रश्न.6- यदि किसी विधायक के साथ या अन्य जनप्रतिनिधि के साथ किसी अफसर के बड़े मतभेद हों तो आपके हिसाब से उसको क्या करना चाहिए?

उत्तर- देखिए मैं आपको एक बात बताता हूं, विधायक हों या कोई अन्य जनप्रतिनिधि हों या फिर कोई अफसर हो, हमारा कोई मतभेद नहीं होता है। उन्होने भी नौकरी ज्वाइन करते समय जनता की सेवा करने की बात करते हैं और एक जनप्रतिनिधि जब चुनाव में जाता है तो वो भी जनता की सेवा की बात कहता है कि मैं आपकी तेल पानी, आपकी सड़कें ठीक करुंगा, आपके लिए शिक्षा की व्यवस्था करेंगे। अगर कोई इस विकास के काम में अवरोध पहुंचाता है तो ये कोई मतभेद नहीं है बल्कि इसका मतलब है कि वो विकास विरोधी है और विकास विरोध के साथ सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिए।

पटना में पूर्व विधायक के सगे भाइयों को गोलियों से भूना, हत्यारों की तलाश जारी

पटना, एजेंसी। बिहार के पटना में भाजपा के पूर्व विधायक चितरंजन शर्मा के दो सगे भाइयों की मंगलवार को गोली मारकर हत्या कर दी। घटना पत्रकार नगर थाना क्षेत्र के काली मंदिर रोड पर हुई। माना जा रहा है कि इस वारदात को पांडव गिरोह के सरगना संजय सिंह ने अंजाम दिया है वहीं मृतकों की पहचान शंभू शरण (32) और गौतम सिंह (28) के रूप में हुई है। खबरों की मानें तो कुछ दिन पहले संजय सिंह के करीबी सुधीर शर्मा की हत्या हो गई थी। इसलिए माना जा रहा है कि संजय ने करीबी का बदला लेने के लिए दोनों भाइयों की हत्या कर दी। हालांकि सुधीर मामले में दो भाइयों के खिलाफ कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई थी। संजय नीमा गांव का रहने वाला है। वहीं एसएसपी डा. मानवजीत सिंह ढिल्लों ने जानकारी दी कि नीमा गांव के दो गुटों के बीच वर्चस्व को लेकर गैंगवार चल रहा है और इसी के चलते दो भाइयों की हत्या की गई है। पुरानी घटनाओं के आधार पांडव गिरोह के सरगना संजय की संलिप्तता बताई जाती है। वहीं हत्यारों की तलाश में जगह-जगह छापेमारी की जा रही है।

अमेरिका में एक हाई स्कूल के बाहर तीन लोगों को मारी गोली, एक बुजुर्ग महिला की मौत, दो घायल

ऑरलियन्स, एजेंसी। अमेरिका में एक बार फिर गोलीबारी की घटना सामने आई है। बीते मंगलवार को ही टेक्सास के उवाल्डे में एक प्राथमिक स्कूल में 21 लोगों की हत्या के ठीक एक सप्ताह बाद मंगलवार रात लुइसियाना के न्यू ऑरलियन्स में एक हाई स्कूल के बाहर तीन लोगों को गोली मार दी गई। अमेरिकी मीडिया ने पुलिस के हवाले से बताया कि लुइसियाना के न्यू ऑरलियन्स में एक हाई स्कूल में स्नातक समारोह के दौरान स्कूल के बाहर तीन लोगों को गोली मार दी गई। गोलीबारी की घटना दीक्षांत समारोह केंद्र के बाहर एक पार्किंग स्थल में हुई। इस आयोजन स्थल का इस्तेमाल कई हाई स्कूलों द्वारा स्नातक समारोहों के लिए किया जाता है। प्रत्यक्षदर्शियों ने अमेरिकी मीडिया को बताया कि उन्हें अचानक 5-10 गोलियों की आवाज सुनाई दी।

एक बुजुर्ग महिला की मौत, दो पुरुष घायल : मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, गोलीबारी की इस घटना में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई है जबकि दो पुरुष घायल हैं। न्यू ऑरलियन्स पुलिस ने कहा कि मॉरिस जेफ हाई स्कूल में स्नातक समारोह के बाद जेवियर विश्वविद्यालय की पार्किंग में किसी बात को लेकर दो लोगों में कहासुनी हो गई, जिसके बाद आरोपी व्यक्ति ने गोलीबारी कर दी। मृत बुजुर्ग महिला की उम्र और पहचान का अभी खुलासा नहीं किया गया है। न्यू ऑरलियन्स पुलिस विभाग (एनओपीडी) के पुलिस उपाधीक्षक क्रिस्टोफर गुडली ने कहा कि वह इस बात की पुष्टि नहीं कर सकते कि महिला किसी स्नातक छात्र की दादी थी। गुडली ने दो घायल पुरुषों की उम्र का भी खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने बताया कि उन्हें पैर और कंधे पर चोटें लगी हैं और वह खतरे से बाहर हैं।

प्रशांत किशोर ने कहा-कभी नहीं करूंगा कांग्रेस के साथ काम, खुद तो डूब रही हमको भी डुबा देगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दिग्गज चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्टूबर से वे बिहार की यात्रा पर निकलेंगे। जिसकी तैयारियों में वे अभी से जुट गए हैं। इसी क्रम में सोमवार को उन्होंने वैशाली का दौरा किया। इस दौरान कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए दिग्गज चुनावी रणनीतिकार ने कहा कि वे कांग्रेस के साथ कभी का नहीं करेंगे। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने उनका ट्रैक रिकार्ड खराब कर दिया।

प्रशांत किशोर ने कहा कि 'कांग्रेस पार्टी सुधरती नहीं है, अपने तो डूब रही है हमको भी डुबा देगी। 10 साल में हम सिर्फ एक चुनाव हारे हैं 2017 में। कांग्रेस ने हमारा ट्रैक रिकॉर्ड खराब कर दिया, इसीलिए उसके बाद हमने उनसे हाथ जोड़ लिया कि इन लोगों के साथ कभी काम नहीं करेंगे।' वैशाली में पीके ने ये भी कहा कि उन्होंने 2015 में बिहार में महागठबंधन को चुनाव जितवाया। 2017 में पंजाब का चुनाव जितवाया। 2019 में जगन मोहन रेड्डी के साथ मिलकर आंध्र प्रदेश में जीत दर्ज की। 2020 में दिल्ली में केजरीवाल के साथ मिलकर जीते। 2021

में तमिलनाडु और बंगाल जीते। उन्होंने कहा कि इस दौरान हम बस एक चुनाव हारे।

गौरतलब है कि उनका ये बयान सोनिया गांधी के पार्टी में शामिल होने और एम्पावर्ड एक्शन ग्रुप 2024 का सदस्य बनने के प्रस्ताव को ठुकराने के कुछ हफ्तों बाद आया है। कांग्रेस ने एम्पावर्ड एक्शन ग्रुप का गठन आठ सदस्यीय समिति द्वारा पार्टी में सुधारों और 2024 के आम चुनाव की रणनीति तैयार करने के लिए बनाया गया था।

शुरु हुई 'जन सुराज यात्रा' : गौरतलब है कि प्रशांत किशोर ने बिहार के हाजीपुर से रविवार को 'जन सुराज यात्रा' की शुरुआत की है। यहां यात्रा की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि वैशाली लोकतंत्र की धरती है, इसलिए जन सुराज यात्रा की शुरुआत के लिए यह सबसे योग्य स्थान है। उन्होंने कहा कि बिहार में नई राजनीतिक व्यवस्था बनाने की सोच के साथ यह प्रयास शुरू किया गया है। पिछले चार से पांच दिन पूर्व तक मुझसे से मिलने वालों की संख्या 18 हजार थी, जो कि बढ़कर 60 हजार हो गई है। यह वैसे लोग हैं जिन्होंने खुद हमसे मिलने के लिए संपर्क किया या हमारी टीम के लोगों ने उनसे संपर्क किया था।

उन्होंने बताया कि वैशाली से शुरू जन सुराज यात्रा के दौरान सितंबर के अंत तक बिहार के सभी जिलों में गोष्ठी के माध्यम से लोगों से मुलाकात की जाएगी। प्रशांत ने बताया कि वैशाली जिले में चार दिनों तक करीब 350 किलोमीटर एरिया कवर कर जिले के सभी 16 प्रखंड और आठ विधानसभा में करीब 40 स्थानों पर गोष्ठी के माध्यम से लोगों से मिलकर जन सुराज के प्रयासों को बताया जाएगा।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा